अर्हम्

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

समय : 3 घंटा | तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2012) | दिनांक 24.12.2012

प्रथम वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र | पूर्णांक – 100

भिक्षु विचार दर्शन – 80

प्र.1 किन्हीं 10 प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिये – 10

(क) प्रवर्तिनी से क्या तात्पर्य है?

(ख) छठे आचार्यश्री माणकलालजी ने अपने उत्तराधिकारी का चयन क्यों नहीं किया?

(ग) श्रद्धा का क्या अर्थ है?

(घ) आचार्य भिक्षु स्थानकवासी मुनि कब बने?

(ङ) आचार्य भिक्षु के संगठन का आन्तरिक स्वरूप क्या है?

(च) श्वेताम्बर और दिगम्बर परम्परा में किस विषय पर मतभेद है?

(छ) धर्मानन्द कोसम्बी ने बौद्ध धर्म के पतन का एक कारण क्या माना?

(ज) राजनगर चातुर्मास के समय सन्त भीखण के साथ कौन–कौन से संत थे?

(झ) आचार्य भिक्षु ने धर्म का सम्बन्ध किससे बताया?

(ञ) ''जो साधु रोगी, वृद्ध और ग्लान साधुओं की सेवा–शुश्रूषा नहीं करता।'' उसको किस कर्म का बन्ध होता है?

(ट) साधन–साध्य के विषय में ट्राटस्की ने क्या लिखा?

(ठ) अभयदान क्या है?

प्र.2 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दो या तीन वाक्य में दें – 10

(क) भगवान महावीर के समय कितने गण, गणधर, साधु व साध्वियां थी?

(ख) आचार्य के निर्वाचन में किन बातों का विशेष ध्यान दिया जाता है?

(ग) ''आपकी बुद्धि कई राज्यों का संचालन करे वैसी है'' मंत्री की इस प्रशंसा के उत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(घ) ''आप वृद्ध हैं, प्रतिक्रमण बैठे–बैठे किया करें।'' इस पर आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(ङ) आचारांग सूत्र (आयारो) में अहिंसा शब्द की क्या व्याख्या दी गई है?

(च) अवीतराग की पहचान कौन–कौन सी सात बातों से होती है?

प्र.3 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दें – 30

(क) प्रवृत्ति और निवृत्ति को स्पष्ट करें।

(ख) भगवान महावीर के आत्मतुला के सिद्धान्त को समझायें।

(ग) ''व्यक्तिगत आलोचना से दूर'' घटना प्रसंग को लिखें।

(घ) संघ में मर्यादा क्यों आवश्यक है?

(ङ) अहिंसा का उद्देश्य क्या है? स्पष्ट करें।

(च) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु कुशल पारखी थे।

(छ) ''अहिंसा का आचरण वही कर सकता है जिसका हृदय बदल जाए।'' आचार्य भिक्षु के हृदय परिवर्तन के सिद्धान्त को स्पष्ट करें।

(ज) आचार्य भिक्षु की दान–मीमांसा को संक्षेप में व्याख्यायित करें।

प्र.4 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर विस्तार से दें – 30

(क) 'आचार्य भिक्षु जितने श्रद्धालु थे उतने ही तार्किक थे।'' इस कथन को दृष्टांतों द्वारा स्पष्ट करें।

(ख) मिश्र धर्म क्या है उसको स्पष्ट करते हुए धर्म की अविभक्तता पर प्रकाश डालें।

(ग) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु संघ–व्यवस्था के महान् प्रवर्तक थे।

भिक्षु वाणी – 20

प्र.5 दो पद्य अर्थ सहित लिखें – 8

(क) ज्यूं अधर्म रा.....मांहे चाल्या।।

(ख) विण अंकुस.....साधु नांम।।

(ग) पेम घटारण.....पडो धिकार।

(घ) हलूकरमीं मात.....टलें असमाध।

प्र.6 किन्हीं दो पद्यों की पूर्ति करें – 6

(क) उणने छोटा.....दिन जाय।।

(ख) कांदा ने.....लागे पास।।

(ग) छ काय.....मिलियो आय।।

(घ) ते पाप.....नहीं दोस।।

प्र.7 कोई दो पद्य लिखें – 6

(क) परिग्रह (ख) आत्मशुद्धि की प्रक्रिया (ग) जीवन–सूत्र (घ) दुष्कर–साधना